University in News on 20 February 2021

NBT PAGE 4

एलयू में हुई संगोष्ठी में बोले शिक्षा मंत्री

स्टार्टअप योजनाओं से कम पूंजी वाले भी बन सकते हैं उद्यमी

■ **एनबीटी, लखनऊ:** उद्यमिता का विचार पुराना है पर मौजूदा समय में व्यवसाय के लिए यह सिद्धांत सबसे अहम है। कम पूंजी वाला व्यक्ति भी प्रधानमंत्री की चलाई गई विभिन्न स्टार्ट-अप योजनाओं से उद्यमी बन सकता है। यह बात प्राथमिक शिक्षा मंत्री सतीश चंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को लखनऊ यूनिवर्सिटी में 'उद्यमिता विकासःरोजगार सृजन एवं विकास की कार्य योजना' पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी में कही।

वाणिज्य विभाग की आरे से मालवीय और प्रो. एसबी सिंह सभागार में हुए सत्र में ओडीओपी से उद्यमिता विकास और महिला उद्यमिता भी अहम विषय रहे। तकनीकी सत्रों में विभिन्न यूनिवर्सिटियों के शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्रों ने शोध पत्र पेश किए। इस दौरान एलयू के वाणिज्य विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. बरकत उल्लाह, भोपाल यूनिवर्सिटी के प्रो एसके खटिक, प्रो. सुधीर कुमार शुक्ला, प्रो. अवधेश कुमार, प्रो. राम मिलन, डॉ. नागेंद्र मौर्य, डॉ. अनूप कुमार सिंह, प्रो. विनय कुमार पांडेय, प्रो.संजय बैजल, डॉ. जया त्रिपाठी, प्रियंका मजूमदार ने सत्र की जिम्मेदारी संभाली। राष्ट्रगान के बाद डॉ. सुनीता श्रीवास्तव ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

एलयू में 'उद्यमिता विकासःरोजगार सृजन एवं विकास की कार्य योजना' पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में स्नातक स्तर पर ही होगी इंटर्नशिप

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के हिसाब से पाठ्यक्रम में बदलाव की प्रक्रिया शुरु

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्विद्यालय में अगले सत्र से स्नातक पाठ्यक्रम पूरी तरह से बदला नजर आएगा। सभी सेमेस्टर में सिलेबस कम होगा और विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप अनिवार्य की जाएगी। विश्वविद्यालय में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के हिसाब से सिलेबस में बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सिलेबस में बदलाव के लिए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। डीन एकेडमिक की टीम ने इस पर काम शुरू कर दिया है।

लविवि में एकेडमिक्स के लिए एक डीन और दो अतिरिक्त डीन की व्यवस्था की गई है। इनकी देखरेख में नया सिलेबस तैयार किया जाना है। शुरुआती चर्चा के अनुसार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार स्नातक में किसी एक सेमेस्टर में इंटर्नशिप की व्यवस्था की जाएगी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्नातक पाठ्यक्रम चार साल का करने की बात कही गई है। नीति में हर स्तर पर विद्यार्थियों को एक प्रमाण पत्र देकर कोर्स छोड़ने का विकल्प देने की व्यवस्था भी है। इसको देखते हुए विश्वविद्यालय अपना पाठ्यक्रम चार वर्ष के आधार पर तैयार करेगा। इसलिए तीन साल के सिलेबस को चार साल में बांटा जाएगा। ऐसे में हर सेमेस्टर में सिलेबस का दबाव पहले के मुकाबले कम हो जाएगा।

सामान्य और ऑनर्स दोनों का तैयार होगा सिलेबस

लविवि अपने परिसर में स्नातक स्तर पर सिर्फ ऑनर्स पाठ्यक्रम संचालित करने की योजना बना रहा है। जबकि इसके सहयुक्त कॉलेज में सामान्य पाठ्यक्रम भी होंगे। इसको देखते हुए लविवि स्नातक स्तर पर ऑनर्स और सामान्य दोनों पाठ्यक्रम का सिलेबस तैयार कर रहा है।

स्नातक पाठ्यक्रम में पहले साल की पढ़ाई पूरी करने पर विद्यार्थी को सर्टिफिकेट, दो साल पर डिप्लोमा, तीन साल की पूरी करने पर डिग्री दी जाएगी। चौथे साल की परीक्षा पास करने पर उसे रिसर्च ग्रेजुएशन की उपाधि मिलेगी। रिसर्च ग्रेजुएशन की उपाधि वाले विद्यार्थियों को परास्नातक पाठ्यक्रम में सीधे दूसरे साल में दाखिला मिलेगा। अभी तक किसी भी विवि ने इस प्रणाली को लागू नहीं किया है। लविवि इस दिशा में आगे बढ़ रहा है जिससे कि नई शिक्षा नीति को लागू करके परास्नातक की तरह स्नातक में भी वो अव्वल साबित हो। विश्वविद्यालय ने हाल ही में परास्नातक का नया पाठ्यक्रम अपनाया है जिसमें फ्लेक्सी एग्जिट यानी एक साल के बाद पढ़ाई छोड़ने पर विद्यार्थी को पीजी डिप्लोमा की उपाधि मिल जाएगी।

क्रेडिट ट्रांसफर पर होगा मंथन

लविवि ने परास्नातक स्तर पर अपने यहां क्रेडिट ट्रांसफर की व्यवस्था शुरू की है। जिसके अनुसार विद्यार्थियों को दूसरे संकाय और विभाग के पाठ्यक्रम पढ़ने का मौका भी मिलेगा। स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों की संख्या बहुत ज्यादा है। ऐसे में क्रेडिट ट्रांसफर की व्यवस्था होने पर विद्यार्थियों की क्लास का प्रबंध करना काफी चुनौती भरा होगा। इसलिए अभी इस पर मंथन चल रहा है कि क्रेडिट ट्रांसफर की व्यवस्था लागू की जाए या नहीं।

प्रो. विवेक बने बॉटनी के विभागाध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग का नया विभागाध्यक्ष प्रो. विवेक प्रसाद को नियुक्त किया गया है। प्रो. प्रसाद अगले तीन साल तक इस पद पर रहेंगे। इससे पहले प्रो. अनूप भारतीय ने समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष का कार्यभार संभाल लिया है। रोटेशन नीति के तहत लविवि में हर विभाग में तीन साल बाद विभागाध्यक्ष बदले जाते हैं।

i-NEXT PAGE 2

मेरिट नहीं एंट्रेंस एग्जाम से ही मिलेगी एलयू में एंट्री

लखनऊ यूनिवर्सिटी में अब एंट्रेंस एग्जाम से ही लिए जाएंगे यूजी में दाखिले

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (19 Feb): नए सत्र में अंडर ग्रेजुएट कोर्सों में एडमिशन के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी एंट्रेंस एग्जाम कराएगा. वर्ष 2019-20 सत्र के एडमिशन कोविड की वजह से मेरिट के आधार पर किए गए थे लेकिन अब कोविड पर नियंत्रण हो रहा है. इसलिए तय किया गया है कि पहले की तरह एंट्रेंस एग्जाम से ही एडमिशन होंगे.

नए जिलों पर भी लागू

यूनिवर्सिटी से संबद्ध अभी तक 174 कॉलेज थे. अब चार अन्य जिले बढ़ने की वजह से इनकी संख्या बढ़कर 524 हो गई है. नए सत्र की एडमिशन प्रक्रिया शुरू करने का नोटिफिकेशन इन कॉलेजों पर भी लागू होगा.

खुला रहेगा विकल्प

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पिछले साल की तर्ज पर कॉलेजों के लिए केंद्रीयकृत व्यवस्था के तहत प्रवेश प्रक्रिया में जुड़ने का विकल्प खुला रहेगा. हमारी कोशिश है कि यूनिवर्सिटी से जुड़े चार अन्य जिलों के महाविद्यालय भी इसमें शामिल हों. यूनिवर्सिटी के नियमों के अनुसार जो कॉलेज जुड़ेगा, उनकी सूची प्रवेश के समय वेबसाइट पर जारी होगी. काउंसिलिंग के समय स्टूडेंट्स को कॉलेजों के नाम, किस कोर्स में कितनी सीटें हैं आदि का ब्योरा वेबसाइट पर डिस्प्ले किए जाएगा.

38 सौ सीटें अंडर ग्रेजुएट कोर्सों में | **44** सौ सीटें पोस्ट ग्रेजुएट कोर्सों में

9 मार्च से आवेदन

9 मार्च से यूजी कोर्स में एडमिशन के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है. शुक्रवार को इस पर कमेटी के सदस्यों ने विचार-विमर्श किया. प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर का कहना है कि जल्द पूरा शेड्यूल जारी किया जाएगा.

इस बार मेरिट से हुए एडमिशन

कोरोना के कारण गत वर्ष लॉकडाउन लगा दिया गया था, जिसके चलते एडमिशन प्रक्रिया काफी देर से हो सकी. लखनऊ यूनिवर्सिटी में नवंबर 2020 में मेरिट के हिसाब से अंडर ग्रेजुएट कोर्सों में एडमिशन लिए गए थे. अब हालात में काफी सुधार आ चुका है, ऐसे में एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम आयोजित कराया जाएगा.

चार जिलों के कॉलेजों पर बढ़ा फीस का दबाव

LUCKNOW (19 Feb): प्रदेश सरकार ने कानपुर यूनिवर्सिटी से मान्यता लेकर चार जिलों में चलाए जा रहे कॉलेजों को लखनऊ यूनिवर्सिटी से जोड़ने का निर्णय लिया है लेकिन इन कॉलेजों की फीस को लेकर नया विवाद सामने आया है. कानपुर यूनिवर्सिटी में परीक्षा शुल्क एक हजार रुपए है, वहीं एलयू में यह फीस 35 सौ रुपए है, जिससे कॉलेज संचालक और छात्र नाराज हैं.इन कॉलेज संचालकों ने विधान परिषद के सदस्य अवनीश सिंह, अरुण पाठक और उमेश द्विवेदी के नेतृत्व में एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय से वार्ता की. इन कॉलेज सचालकों का कहना है कि परीक्षा फीस ज्यादा होने के कारण छात्रों और अभिभावकों को नुकसान होगा. उनकी फीस कई गुना बढ़ जाएगी. विधान परिषद के सदस्य अवनीश सिंह ने बताया कि वीसी की ओर से इस प्रकरण में एक समिति का गठन करके छात्रहित में फैसला लेने का आश्वासन दिया गया है.

HINDUSTAN PAGE 8

23 फरवरी को होने वाली उच्च स्तरीय बैठक में लिया जाएगा अंतिम निर्णय

एलयू में प्रवेश परीक्षा की तैयारी

स्नातक दाखिले

09 मार्च से आवेदन लिए जाने की चर्चा चल रही है विश्वविद्यालय में

लखनऊ | **प्रमुख संवाददाता**

लखनऊ विश्वविद्यालय में इस बार स्नातक कक्षाओं में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दाखिले लिए जाने की तैयारी है।इसको लेकर बैठकों का दौर चल रहा है। 23 फरवरी को उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई है। जिसमें दाखिले को लेकर अंतिम रूप दिया जाएगा। फिलहाल प्रवेश के लिए नौ मार्च से आवेदन मांगने की चर्चा चल रही है।

कोरोना की वजह से बीते सत्र में एलयू ने अपने यूजी पाठ्यक्रमों में मेरिट के आधार पर दाखिले लिए थे। क्योंकि अब कोरोना पर नियंत्रण हो चुका है इसलिए इस बार प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दाखिले की तैयारी है। हालांकि अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। 23 को प्रवेश समिति की बैठक बुलाई गई है। जिसमें अंतिम रूप से निर्णय होगा। विश्वविद्यालय में स्नातक की करीब 3800 तथा परास्नातक की 4000 सीटें हैं। इन पर दाखिले को लेकर मंथन चल रहा है। बीएड की तर्ज पर यूजी में भी दाखिले के लिए ऑनलाइन ही आवेदन लिए जाएंगे। एलयू के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभी दाखिले की प्रक्रिया पर कोई निर्णय नहीं हुआ है और न ही दाखिले के लिए आवेदन मांगने की कोई कटऑफ जारी की गई है। 23 फरवरी की बैठक में ही सब कुछ तय होगा। इसके बाद विस्तृत शेड्यूल जारी हो जाएगा।

महाविद्यालयों को रहेगी आजादीः पिछले वर्ष की तर्ज पर इस बार भी कॉलेजों को केंद्रीयकृत व्यवस्था का विकल्प दिया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया से जो महाविद्यालय जुड़ना चाहेंगे उन्हें विश्वविद्यालय अवसर देगा। जो अपनी प्रवेश परीक्षा या सीधे दाखिले कराना चाहेंगे उनको आजादी होगी। विवि के नियमों के अनुसार जो कॉलेज प्रवेश परीक्षा से जुड़ेंगे उनकी सूची प्रवेश के समय वेबसाइट पर जारी होगी। विश्वविद्यालय में दाखिला न मिलने पर छात्र कॉलेज में प्रवेश ले सकेंगे।

एलयू में संगोष्ठी

छात्रों को स्वरोजगार के प्रति किया गया सजग

आत्मनिर्भर भारत का सपना उद्यमिता के जरिए पूरा किया जा सकता है। आज कम पूंजी वाला व्यक्ति भी भारत सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न स्टार्टअप योजनाओं के जरिए खुद का रोजगार कर उद्यमी बन सकते हैं। यह बातें बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश सतीश चंद्र द्विवेदी ने कहीं। वह शुक्रवार को एलयू के वाणिज्य विभाग, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की ओर से आयोजित उद्यमिता विकास रोजगार सृजन एवं विकास की कार्य योजना विषय पर आधारित दो दिवसीय सेमिनार के अंतिम दिन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उद्यमिता सिद्धान्त से ज्यादा व्यवहार का विषय है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए विधायक नीरज बोरा ने भी उद्यमिता की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस दौरान कॉमर्स विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश त्रिपाठी, डॉ. नागेंद्र मौर्य, प्रो. विनय कुमार पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

DAINIK JAGRAN PAGE 1

बीएड के एक दिन में 18265 आवेदन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा के शैक्षिक सत्र 2021-23 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई। 19 फरवरी को शाम 6 बजे तक 18265 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों से कहा है कि वह निर्देश पुस्तिका में दिये सभी दिशा निर्देशों को भली भांति पढ़कर अपने सारे प्रपत्र तथा मानक के अनुरूप फोटो इत्यादि एकत्र कर लें। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि इसके बाद अपना आवेदन पूर्ण करें।

लविवि में प्रवेश परीक्षा से होंगे यूजी में दाखिले

जासं, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय नए सत्र में स्नातक कक्षाओं में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करेगा। वर्ष 2019-20 सत्र के दाखिले कोरोना की वजह से मेरिट के आधार पर किए गए थे। नौ मार्च से स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है।

विश्वविद्यालय में स्नातक की करीब 3800 और परास्नातक में 4,400 सीटें हैं। स्नातक में 2016 और परास्नातक में 2017 से प्रवेश परीक्षा से दाखिले लिए गए। अब स्थितियां सामान्य हो रही हैं। इसलिए फिर प्रवेश परीक्षा ही आयोजित की जाएगी।

बिजनेस प्लान, एलयू चढ़ाएगा परवान

लखनऊ यूनिवर्सिटी में खोला जाएगा इंटरप्रेन्योरशिप सेल

स्टूडेंट्स को आत्मनिर्भर बनाने का किया जाएगा काम

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (19 Feb): स्टूडेंट्स को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी में इंटरप्रेन्योरशिप सेल खोला जाएगा, जिससे स्टूडेंट्स को व्यवसाय करने में मदद की जाएगी. इसमें स्टूडेंट्स स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रस्ताव देंगे और मूल्यांकन के बाद सेल संतुष्ट हुई तो स्टूडेंट्स को इसके लिए अनुदान दिया जाएगा. यह जानकारी वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. अवधेश त्रिपाठी ने दी. उन्होंने बताया कि इसके लिए अपन मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने सैद्धांतिक सहमति प्रदान की है.

पांच लाख रुपए की मदद

प्रो. मिश्रा ने बताया कि पहले चरण में लखनऊ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को मौका दिया जाएगा. इसके बाद अन्य छात्रों के लिए भी यूनिवर्सिटी अवसर दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि शुरूआती दौर में इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेल में पांच लाख रुपये का कोष रखा जाएगा. इस पैसे से ही स्टूडेंट्स की मदद की जाएगी.

स्टूडेंट्स के प्लान की कमेटी समीक्षा करेगी और उसकी कमियों को भी दूर किया जाएगा.

स्टूडेंट्स देंगे प्रस्ताव

प्रो. अवधेश त्रिपाठी ने बताया कि यूनिवर्सिटी के भाऊराव देवरस इंस्टीट्यूट में इस इंटरप्रेन्योरशिप सेल की स्थापना होगी. इसके तहत यूनिवर्सिटी अपने कैंपस में पढ़ने वाले सभी स्टूडेंट्स के स्टार्टअप को आगे बढ़ाने और उनको आत्मनिर्भर बनाने पर फोकस करेगी. यूनिवर्सिटी के यूजी व पीजी के सभी कोर्सेज के स्टूडेंट्स को अपने अंतिम सेमेस्टर में एक स्टार्टअप का प्रस्ताव बनाकर सेल का देना होगा. सेल स्टूडेंट्स के स्टार्टअप की समीक्षा करेगी.

हर संभव मदद

स्टूडेंट्स के प्रस्तावों की सेल की ओर से गठित कमेटी समीक्षा करेगी. इसके बाद उसमें जो कमियां होगी उसे दूर करेगी. साथ ही स्टूडेंट्स को स्टार्टअप के लिए जिन संस्थाओं की मदद की जरूरत होगी यूनिवर्सिटी वह सभी मदद उपलब्ध कराएगी. इसमें स्टार्टअप के लिए लोन, सरकारी संस्थाओं से मंजूरी और दूसरी सभी तरह के सरकारी हेल्प दिलाई जाएगी.

VISHWAVARTA PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा से करेगा दाखिला

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय नए सत्र में स्नातक कक्षाओं में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करेगा। वर्ष 2019-20 सत्र के दाखिले कोविड-19 की वजह से मेरिट के आधार पर किए गए थे, लेकिन अब कोविड पर नियंत्रण हो रहा है, इसलिए तय किया गया है कि पहले की तरह प्रवेश परीक्षा के माध्यम से ही प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। हालांकि इस पर अन्तिम फैसला 23 फरवरी को होने वाली प्रवेश समिति की बैठक में होगा।

लविवि में स्नातक की करीब 3800 और परास्नातक में 4,400 सीटें हैं। स्नातक में 2016 और परास्नातक में 2017 से प्रवेश परीक्षा से दाखिले लिए गए। जुलाई से शुरू हुए सत्र 2019-20 के समय कोरोना की वजह से लाकडाउन था। इसलिए नवंबर में स्नातक में प्रवेश परीक्षा की जगह मेरिट के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया अपनाई गई। अब स्थितियां सामान्य हो रही हैं। इसलिए फिर से प्रवेश परीक्षा ही आयोजित की जाएगी।

चार जिलों के कालेजों को भी जोड़ने की तैयारीः विश्वविद्यालय से सम्बद्ध अभी तक 174 कालेज थे। अब चार अन्य जिले बढने की वजह से इनकी संख्या बढ़कर 524 हो गई है। नए सत्र की प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने का नोटिफिकेशन इन कालेजों पर भी लागू होगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पिछले साल की तर्ज पर कालेजों के लिए केंद्रीयकृत व्यवस्था के तहत प्रवेश प्रक्रिया में जुडने का विकल्प खुला रहेगा। हमारी कोशिश है कि विश्वविद्यालय से जुड़े चार अन्य जिलों के महाविद्यालय भी इसमें शामिल हों। लेकिन इसकी कोई बाध्यता नहीं होगी। विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार जो कालेज जुड़ेगा, उनकी सूची प्रवेश के समय वेबसाइट पर जारी होगी। काउंसिलिंग के समय अभ्यूथयों को इनके नाम, कोर्सवार सीट का ब्योरा डिस्प्ले किए जाएगा, ताकि जिन्हें विश्वविद्यालय में प्रवेश न मिल पाए तो अपने इच्छा के अनुसार कालेज में प्रवेश ले सकें।

नौ मार्च से शुरू होंगे आवेदन, जल्द जारी होगा शेड्यूल

लविवि नौ मार्च से स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में है। इसके लिए शुक्रवार को आवेदन पत्र के प्रारूप पर कमेटी के सदस्यों ने विचार विमर्श किया। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर का कहना है कि जल्द ही विस्तृत शेड्यूल जारी किया जाएगा।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

नयी शिक्षा नीति लागू करने वाला पहला विवि बना लविवि

अब विवि के परास्नातक कोर्सों में इसी सत्र से एनईपी के तहत होगी पढ़ाई

शैलेन्द्र श्रीवास्तव (vol)

लखनऊ। नई शिक्षा नीति को लागू करने वाला देश का पहला लखनऊ विश्वविद्यालय बना। इस बात की स्वयं जानकारी शुक्रवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने ट्वीट कर दिया। उन्होंने इस बात की खुशी जाहिर की कि अब विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति के तहत परास्नातक की पढ़ाई करायी जायेगी। साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित स्नातक कार्यक्रम के कॉमन पाठ्यक्रम तैयारी की जा रही है।

लविवि में नई शिक्षा नीति-2020 के तहत परास्नातक कार्यक्रमों में संशोधित पाठयक्रम को लागू करने और स्नातक पाठ्यक्रमों में संशोधन कर उन्हें भी नई शिक्षा नीति के अनुरूप किये जाने के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में समस्त संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, समन्वयकों और निदेशकों की बैठक हुयी थी। इसमें पुनर्गठन पीजी पाठ्यक्रम की स्थिति अद्यतन, उच्च शिक्षा विभाग, प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित यूजी कार्यक्रम के सामान्य पाठ्यक्रम पर टिप्पणी पर हुयी थी। बैठक के शुरू में ही कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने समस्त विवि परिवार को बधाई दी कि उन्होंने बड़ी ही सरलता और सुचारू रूप से नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के परास्नातक पाठ्यक्रमों में संशोधन का कार्य संपन्न किया। इसके कारण से विश्वविद्यालय इसी सत्र से नए पाठ्यक्रमों को लागू कर छात्र हित में शुरूआत करने में सक्षम रहा। कुलपति ने बताया कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत अपने सभी 70 से अधिक स्नातक कार्यक्रमों में संशोधित पाठ्यक्रम लागू करने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय देश का पहला विश्वविद्यालय है।

उन्होंने यह भी बताया कि नए पाठ्यक्रमों के अंतर्गत विश्वविद्यालय में छात्र कोर कोर्स के साथ-साथ वैल्यू ऐडेड कोर्स, इंट्रा डिपार्टमेंटल और इंटर डिपार्टमेंटल कोर्स भी पढ़ पाएगा। साथ ही छात्र के पास एक साल बाद पीजी डिप्लोमा लेकर नए कोर्स में एनरोल करने या दूसरी डिग्री के लिए पढ़ाई शुरू करने की, या नौकरी के लिए जाने की भी स्वाधीनता रहेगी।

वहीं, 2020-21 सत्र से यह पाठ्यक्रम लागू किए जायेंगे और विश्वविद्यालय के साथ-साथ सभी सहयुक्त महाविद्यालयों में एनईपी 2020 के अंतर्गत यह पाठ्यक्रम लागू होंगे। इसके अलावा बैठक में प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित स्नातक कार्यक्रम के कॉमन पाठ्यक्रम पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने समस्त संकाय अध्यक्ष व विभागाध्यक्ष से प्रस्तावित पाठ्यक्रमों पर टिप्पणी मांगी और सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने विषयों के पाठ्यक्रमों पर टिप्पणी व सुधार के सुझाव उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश भी दिये थे।

TOI PAGE 2

UG students to get entry & exit options

After PG, LU To Adopt NEP-2020 In UG Curriculum

Times News Network

Lucknow: From the next academic session, undergraduate students of the Lucknow University are likely to get a flexibility to leave their course midway to join a job, prepare for competitive exams or other reasons.

After postgraduation, the varsity is planning to implement the multiple entry and exit rule as prescribed by the National Education Policy-2020 at UG level. As per NEP-2020, the varsity's UG course will now be for four years instead of three.

The structure of UG courses whether it will be an 'honours' or non-honours course will be decided by a team of academics and other experts after several rounds of meetings.

So far, the varsity has decided that UG will be of four years and with a multiple entry and exit options.

"The structure and the modalities will be decided by a team of experts soon. We are going to adopt NEP in our UG too. At PG level, we have already become the first one to adopt it," said vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

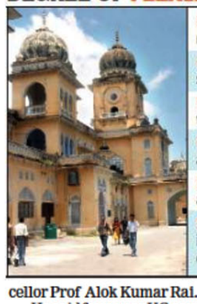

He said four-year UG courses with multiple entry and exit options will allow students to build their own degrees. They will have far more autonomy which will help them to take a call on how and when they want to get a degree and plan their career.

Depending on how long a course they study, they will be awarded a diploma or a degree under the new system, he added.

In the new version of UG course that is likely to be offered by LU, a student can get a certificate after a year programme, an advanced diploma after two years, a bachelor's degree after three years, and a bachelor's with research after four years of studies.

"More entry and exit options will give students adequate options in planning their career, taking care of life events as due to financial or family problems at times they have to discontinue their studies. With the new UG structure, they can continue they studies at a later stage," said a senior professor.

DEGREE OF FLEXIBILITY

- LU to offer four-year UG with multiple entry and exit options
- After studying for one year, student will be awarded a certificate
- Advanced diploma will be after two years of course completion
- Bachelor's degree will be given after three years
- Bachelor's degree with research after four years
- A student who leaves a course in between can join back to complete later

Varsity invites women to share stories that inspire

Times News Network

Lucknow: If you have a story that can inspire the 'Aadhi Abaadi' or women around you, there is a platform to share it to impact others.

The story can be about hardships faced in your life, gender biases at the workplace, harassment that you handled well or any success story that you think can bring about a change in the life of others.

In an initiative by Lucknow University called 'Silent Voices', any woman student, alumni, teacher or employee of LU can write to the university's gender sensitization cell, GenSen cell, and tell their story.

All they need to do is drop an email to gensen.lkouniv@gmail.com.

The compilation of these stories will be released in the form of a book and women will be given the title of 'She-heroes' along with recognition International Women's Day. One can share stories anonymously too.

"Every woman has a story to inspire, a story that can change the way people think, which can ignite a fighting spirit not only in women but men as well," said vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

He said the university wanted to recognize such women and give them a platform.

"The initiative 'Silent Voices' will not only salute our She-heroes but also make society aware of how powerful a woman is," he added.

The platform is open to anyone who is from the LU family. There is a word limit for sharing a story.

The last date to send the story is February 27.

Details are available on Lucknow University's website and will shortly be on social media as well.

The compilation of these stories will be released in the form of a book and women will be given the title of 'She-heroes' along with recognition International Women's Day. One can share stories anonymously too

JAGRAN CITY PAGE I

उद्यमिता के माध्यम से पूरा करें आत्मनिर्भरता का सपना

बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री सतीश द्विवेदी का सम्मान करते प्रो. अवधेश कुमार ● जागरण

जासं, लखनऊः उद्यमिता की अवधारणा बहुत पुरानी है। वास्तव में यह सिद्धांत से ज्यादा व्यवहार का विषय है। अमेजन के संस्थापक प्रत्यक्ष उदाहरण हैं कि कैसे उन्होंने व्यवसाय जगत में सफलता के सर्वोच्च को हासिल किया। ये बातें बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री डा. सतीश चंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को मुख्य अतिथि लविवि के मालवीय सभागार में आयोजित संगोष्ठी में कहीं।

उद्यमिता विकासः रोजगार सृजन एवं विकास की कार्ययोजना विषय आधारित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में एजु-गोरिल्ला के संस्थापक एवं सीईओ रोहित मांगलिक ने अपने चार साल के अनुभव को साझा किया। बताया कि असफलता, सफलता और विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश रियल स्टेट अपीलीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष डा. डीके अरोड़ा ने कहा कि उद्यमिता, सामाजिक और आर्थिक विकास से जुड़ा हुआ है। उन्होंने इसे विस्तार से समझाया। सेमिनार के समापन पर कामर्स विभाग के हेड प्रो. अवधेश कुमार ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रो. सुधीर कुमार शुक्ला, डा. नीरज जैन, डा. नागेंद्र मौर्य, प्रियंका मजुमदार सहित अन्य शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

यूपीपीएससी के नतीजे जारी लविवि के तीन छात्र चयनित

जासं, लखनऊ : उप्र लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा राजकीय महाविद्यालयों में प्रवक्ता पदों पर हुई परीक्षा एवं साक्षात्कार के बाद शनिवार को नतीजे जारी कर दिए गए। लविवि के तीन शोध छात्र-छात्राओं का भी इसमें चयन हुआ है, इनमें डा. नीतू सिंह, सीमा शुक्ला और नीरज कुमार शामिल हैं। खास बात यह है कि तीनों ही भौतिक विज्ञान विभाग के छात्र रहे हैं।

प्रयागराज विवि और आइआइटी दिल्ली से शिक्षा के बाद मैंने लखनऊ विश्वविद्यालय से पीएचडी में दाखिला लिया था। 2019 में पीएचडी थीसिस भी जमा की है। कई इंटरव्यू दे चुकी हूं। फाइनल चयन अब हुआ है।

-सीमा शुक्ला, रिसर्च स्कालर

गाजियाबाद से यूजी-पीजी करने के बाद मैंने लखनऊ विश्वविद्यालय से पीएचडी की। गोल्डन जुबिली में रहकर ही पढ़ाई की। यूपीपीएससी की इस परीक्षा में उम्मीद थी चयन हो जाएगा। अभी मैं फिजिक्स विभाग में रिसर्च फेलो हूं और प्रो. पूनम टंडन के निर्देशन में प्रोजेक्ट पर काम कर रही हूं। मुझे बेस्ट रिसर्च पेपर अवार्ड भी मिल चुका है।

-डा. नीतू सिंह, रिसर्च फेलो

मेरा सपना था कि शिक्षक बनूं। 2010 में एमएससी, 2019 में पीएचडी पूरी की। दो साल पहले बलिया के एडेड कालेज में फिजिक्स के शिक्षक के रूप में चयन हो गया। वहीं, नौकरी कर रहा हूं। अब प्रवक्ता पद पर चयनित हुआ हूं। खुशी है कि उच्च शिक्षा में अपने मनपसंद विषय में ही पढ़ाने का मौका मिला है।

-डा. सुनील कुमार, पूर्व छात्र, फिजिक्स विभाग, लविवि

24 घंटे में बीएड प्रवेश के लिए हुए 18265 पंजीकरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा शैक्षिक सत्र 2021-23 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया सुचारु रुप से चल रही है। शुक्रवार को शाम छह बजे तक 18265 अभ्यर्थियों ने अपना पंजीकरण करा लिया है। इसकी जानकारी लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने बताया कि प्रवेश के इच्छुक सभी अभ्यर्थियों को यह निर्देश दिया जाता है कि वह निर्देश पुस्तिका में दिये गये सभी दिशा निर्देशों को भली भांति पढ़कर अपने सारे प्रपत्र तथा दिये गये मानक के अनुरुप फोटो इत्यादि एकत्र कर लें तथा आवेदन प्रक्रिया के अगले चरण के खुलने पर अपना आवेदन पूर्ण करें। बता दें कि, 18 फरवरी की शाम छह बजे से ही ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हुई है।